वह भी मेरा भाई है।

आस्पिताल की दरवाज़ा के पास मैं और काका बहुत ध्यान से खड़ा रहा था। अब तीन घंटे हो रहा है। मेरी मन में बहुत सारी सवाल उठ रहा था। "मेरी छोटू... उसको क्या हो गया? इतनी सारी समय क्यूँ लग रही है? कई छोटू को कोई ~~&~~ हालत तो नहीं हो गया है ना?" मैं काका से एक और बार पूछा ~~##~~ - "काकू, हम ऐसे ~~आंह~~ बाहर क्यूँ बस रहा है? छोटू कहाँ है? माँ और पापा कहाँ है? कितनी बार आपसे यही सवाल पूछेगा? कुछ तो आप बता सकता है मुझे?" काका आँसू भरी आँखों से एक बार फिर मेरे तरह देखा। उसका आँखें,... मुझे कुछ गलती ~~के बारे में~~ चीज़ हो गई की सूचना दे दी। काका कुछ नहीं बताया। मैं भगवान से याचना करे- "कोई तो

मुझसे छोटू का बारे में बताया तो...
भगवान मेरा छोटू को कुछ नहीं होने
देगा। वह मेरी एकी भाई है। कभी कभी
झगड़ा तो करता, पर फिर भी मुझे उससे
बहुत प्यार है। मेरी प्यारी छोटू"।

अस्पताल का दरवाजा खोला
डॉक्टर जी आ रहा है। वह जल्दी से उसके
पास ~~आई~~ ~~हुई~~, हुई सफेद कपड़ेवाले दीदी से कहा "हमें
एक और ओक्सिजन सिलिंडर ~~चाहि~~
चाहिए। उसका अवस्था बहुत क्रिटिकल
है। और उस लड़का को जल्दी से
शिशु विभाग के पास चलिए। हमारा पास
समय नहीं है।" काका उसे पूछा "~~कैसा~~
~~है~~ "कैसा ~~है~~ वो?" डॉक्टर जी सिर्फ
ये बताया की "भगवान से प्रार्थना करूँ,
हम बहुत कोशिश कर रहा हैं"। ऐसे
कहकर वह जल्दी ~~से~~ से दौड़ा।
मेरी भी आँखें से आँसु आ रहा। मैं
काका से दयनीय रूप से कहा "काकू, आप

मुझे बताओगा की क्या हो रहा है?"
काका उस एमरजनसी वार्ड की साथ लगा दिया
बैंच से अपना सिर टकराकर कहा-
~~विद्या~~ "विद्या और बालू की गाड़ी
एक वान से टकरा। मुझे विश्वास तो
नहीं हो रहा है पर ~~ऐसे~~ तुम्हारी प्यारी
माँ और बाप अब बहुत बड़ी हालत में है।
~~उनका ~~ ~~~~ ~~सिर~~ ~~~~ ~~पर~~ ~~आड़ी~~ ~~का~~
जीवन बचाने केलिए तुम ईश्वर से याचना
करो। मैंने पूछा "और छोटू... वो कहाँ है..."। मेरी
आँखें से आँसू आया। "हमारा छोटू...."
"वह मर गया है"— उस आवाज़ सुनकर
मुझे शाक से लगा। मेरी सारी दुनिया
भस गया। वह डॉक्टर जी का आवाज़ था।
मैं और काका उसका ~~~~ तरह ~~~~ देखा।
वह बड़ी उदासी से कहाँ "हम बहुत
कोशिश की पर बच्चा मर गया है।
उसका सिर पर वह वान का चील था।
सरजरी कर दिया बट...."। उसका

यह वाणी मुझे एक गोली के तरह लगा। ऊँची आवाज़ से मैं रोया "मेरी छोटू... मुझे अभी उसे देखना है काकु आप आऊँगा ना? मैं पुकारा तो वह ज़रूर उठेगा? आपने भी कहा था ना बच्चा का याचना भगवान कभी नहीं छोड़ सकता है। आप आइए.. मुझे अभी छोटू के पास जानना है।" ऐसी कहकर मैंने काका की हाथ पकड़ा और ~~उसे~~ छलने की कोशिश की। डॉक्टर और काका बड़ती उदासी से एक दूसरे को देखा। "मुझे इस वक्त छोटू के पास जानना है" डॉक्टर जी ने हमें एक ~~कम~~ कमरे पर ले गया। बहुत अंधकार था वहाँ पर, दुर्गंध भी आ रहा था। उस कमरे में बहुत सारी शरीर था। ~~निश्चल~~ वह निश्चल था। मुझे बहुत डर लगा। मैं डॉक्टर जी से पूछा:.. "इनमें से कौन है मेरा भाई"?

दुनिया का कैसा चेहरा देख कर मुझे बहुत डर लगा।

"गीतु..." माँ की यह आवाज़ सुनकर मैं नींद से उठा। "तुम्हें स्कूल जाना है ना? कैसे सो रहा क्यों स्कूल क्या तुम्हारे पास आएगा तुम्हें सिखाने के लिए, पूरी ग्यारह साल हो गया है फिर भी हर सुबह मुझे इस तरह तुम्हें चिल्लाने का वक्त क्यूँ बन रहा है?"...." गीतु जल्द से अपने कमरे का बाहर आया। उसने एक लंबी साँस छोड़ा और माँ से पूछा "छोटू कहाँ है माँ?" माँ ने उत्तर दिया "तुम्हारे भाई तो है ना? जैसे तुम्हारी तरह... सो रहा है।"

गीतु बड़ी तेज़ से छोटू के पास गया सोते हुए छोटू को एक बार छुआ। उसे बड़े आनंद से आलिंगन किया। गीतु की आँखों से आँसु आया। उसने एक बार

और छोटू को ~~छुआ~~ छुआ। छोटू गीतु को ठकराकर कहाँ " जाओ, मुझे नींद आ रहा है "। गीतु कमरे के बाहर आया दरवाजा बंद करने का बीच एक बार भी उसे देखा। उसने धीरे-धीरे सारी घर घूम रहा- "काका उसका खा रखा रहा है, पापा ~~~~ टी वी देख रहा है और ~~~~ माँ हमेशा के तरह रसोई पर चमचों से बात कर रहा था। माँ ने गीतु से कहा जल्दी बाप को इस चाय दे दूँ। चाय देने वक्त गीतु मेज़ पर कल का पत्र का पहला न्यूस पड़ा- " ~~~~

" एं सी रोड पर कार और वान टकरा। बच्चा मर गयी, 2 आदमियों का अवस्था बड़ा हादस में है। " यही पत्र पढ़कर उसने कल सोने केलिए गया था। वह जल्दी ~~~~ दौड़कर भगवान के पास जाकर कहा- " भगवान तो हमेशा बच्चों का याचन सुनता है, मेरी छोटू को

बचाने केलिए धन्यवाद। क्या मैं सपने में देखा वह निश्चल शरीर पर एक वह बच्चा था जिसने कल मर गया। उनसे परदेस पर सुख रखे। इनमें से वह भी मेरा भाई है।"